दैनिक सामयिकी: ०१.०६.२०२१

युवा लेखकों को प्रशिक्षित करने के लिए युवा (YUVA) - प्रधानमंत्री योजना

चर्चा में क्यों?

- शिक्षा मंत्रालय के तहत उच्च शिक्षा विभाग ने युवा लेखकों को प्रशिक्षित करने के लिए युवा (YUVA) - प्रधानमंत्री योजना की शुरुआत की।

प्रमुख बिंदु

युवा -YUVA (युवा, आगामी और बहुमुखी लेखक) योजना के बारे में:

- यह युवा और नवोदित लेखकों **(30 वर्ष से कम आयु)** को प्रशिक्षित करने के लिए एक लेखक परामर्श कार्यक्रम है, जिससे पढ़ने, लिखने और पुस्तक संस्कृति को बढ़ावा दिया जा सके व वैश्विक स्तर पर भारत और भारतीय लेखन को प्रदर्शित किया सके।
- **युवा, भारत@75 परियोजना (आजादी का अमृत महोत्सव)** का एक हिस्सा है। यह योजना विस्मृत नायकों, स्वतंत्रता सेनानियों, अज्ञात और भूले हुए स्थानों और राष्ट्रीय आंदोलन में उनकी भूमिका और अन्य विषय वस्तुओं पर लेखकों की युवा पीढ़ी के दृष्टिकोण को एक अभिनव व रचनात्मक तरीके से सामने लाने के लिए है।

कार्यान्वयन और निष्पादन:

- शिक्षा मंत्रालय के तहत **नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत** योजना की **कार्यान्वयन एजेंसी** होगी।
- इस योजना के तहत तैयार की गई **पुस्तकों का प्रकाशन नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत** करेगा।
- 1 जून से 31 जुलाई, 2021 तक आयोजित होने वाली अखिल भारतीय प्रतियोगिता के जरिए कुल 75 लेखकों का चयन किया जाएगा।
- विजेताओं की घोषणा 15 अगस्त, 2021 को की जाएगी।
- युवा लेखकों को प्रख्यात लेखक/संरक्षक प्रशिक्षित करेंगे।
- संरक्षण के तहत, पांडुलिपियों को प्रकाशन के लिए 15 दिसंबर, 2021 तक पढ़ा जाएगा।
- प्रकाशित पुस्तकों का विमोचन **12 जनवरी, 2022 को राष्ट्रीय युवा दिवस (युवा दिवस)** के अवसर पर किया जाएगा।
- संरक्षण योजना के तहत छह महीने की अवधि के लिए प्रत्येक लेखक को 50,000 रुपये प्रति माह की समेकित छात्रवृत्ति का भुगतान किया जाएगा।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

MDM योजना के तहत DBT के माध्यम से मौद्रिक सहायता

चर्चा में क्यों?

- शिक्षा मंत्रालय ने एक विशेष कल्याण उपाय के तौर पर **मध्याह्न-भोजन (MDM) योजना** के सभी पात्र बच्चों के लिए खाना पकाने की लागत घटक के **प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT)** के माध्यम से मौद्रिक सहायता प्रदान करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

प्रमुख बिंदु

- यह निर्णय बच्चों के पोषण स्तर को सुरक्षित रखने में मदद करेगा और इस चुनौतीपूर्ण महामारी के समय में उनकी प्रतिरक्षा को बनाए रखने में मदद करेगा।
- यह भारत सरकार की **प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (PM-GKAY)** के तहत लगभग 80 करोड़ लाभार्थियों को प्रति व्यक्ति प्रति माह 5 किलोग्राम की दर से निःशुल्क खाद्यान्न वितरण की घोषणा के अतिरिक्त है।
- केंद्र सरकार इस उद्देश्य के लिए राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन को लगभग 1200 करोड़ रुपये की अतिरिक्त धनराशि प्रदान करेगी।
- केंद्र सरकार के इस एक बार के विशेष कल्याणकारी उपाय से देश भर के 11.20 लाख सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में पहली से आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले लगभग 11.8 करोड़ बच्चे लाभान्वित होंगे।

मध्याह्न भोजन योजना (MDM) के बारे में:

- यह एक केन्द्र प्रायोजित योजना है जिसको **1995 में शुरू** किया गया था।
- मध्याह्न भोजन योजना भारत में एक स्कूली भोजन कार्यक्रम है जिसे देश भर में स्कूली उम्र के बच्चों की पोषण स्थिति को बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- यह कार्यक्रम सरकारी सहायता प्राप्त, स्थानीय निकाय, शिक्षा गारंटी योजना, और सर्व शिक्षा अभियान के तहत समर्थित मदरसा और मकतब, और श्रम मंत्रालय द्वारा संचालित, सरकारी राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजना स्कूलों में प्राथमिक और उच्च प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों के लिए कार्य दिवसों पर मुफ्त लंच की आपूर्ति करता है।

प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT):

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण **1 जनवरी 2013** को भारत सरकार द्वारा शुरू की गई सब्सिडी के हस्तांतरण के तंत्र को बदलने का एक प्रयास है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को सीधे उनके बैंक खातों के माध्यम से सब्सिडी हस्तांतरित करना है।

DBT से जुड़ी अन्य योजनाएं:

- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, PM KISAN (प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना), स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, राष्ट्रीय आयुष मिशन, अटल पेंशन योजना।

अपतटीय गश्ती पोत 'सजग' को भारतीय तटरक्षक में कमीशन किया गया

चर्चा में क्यों?

- राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने **अपतटीय गश्ती पोत (OPV) 'सजग'** को **भारतीय तटरक्षक (ICG)** में शामिल कर समुद्री हितों की रक्षा के लिए इसे राष्ट्र को समर्पित किया।

प्रमुख बिंदु

- सजग मेक इन इंडिया नीति के तहत स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित पांच अपतटीय गश्ती पोतो में से तीसरा है।
- OPV सजग का निर्माण मेसर्स गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा किया गया है।
- अन्य चार OPV भारतीय तटरक्षक पोत (ICGS) सक्षम, ICGS सचेत, ICGS सुजीत और ICGS सार्थक हैं।

भारतीय तटरक्षक के बारे में:

- भारतीय तटरक्षक भारत की एक समुद्री कानून प्रवर्तन और खोज और बचाव एजेंसी है, जिसका क्षेत्राधिकार इसके सन्निहित क्षेत्र और विशेष आर्थिक क्षेत्र सहित अपने क्षेत्रीय जल पर है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- भारतीय तटरक्षक को भारत की संसद के **तटरक्षक अधिनियम, 1978** द्वारा स्थापित किया गया था।
- यह रक्षा मंत्रालय के तहत काम करता है।
- एक बहु-आयामी तटरक्षक के लिए खाका दूरदर्शी **रुस्तमजी समिति** द्वारा तैयार किया गया था।

नोट: सरकार के 'मेक इन इंडिया' के विजन के अनुरूप निजी यार्ड सहित देश के भीतर विभिन्न शिपयार्डों में ICG जहाजों का निर्माण किया जा रहा है।

- ICG के बेड़े में कुल 160 जहाज और 62 विमान हैं।

कोल्ड चेन प्रबंधन के लिए तापमान दर्ज करने वाली भारत की पहली स्वदेशी डिवाइस- "ऐम्बिटैग"

चर्चा में क्यों?

- **पंजाब में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़ (IIT रोपड़)** ने अपनी तरह की पहली अत्याधुनिक IoT डिवाइस- ऐम्बिटैग का विकास किया है, जो खराब होने वाले उत्पादों, वैक्सीन और यहां तक कि शरीर के अंगों व रक्त की ढुलाई के दौरान उनके आसपास का रियल टाइम तापमान दर्ज करती है।

प्रमुख बिंदु

"ऐम्बिटैग" के बारे में

- USB के आकार की डिवाइस, ऐम्बिटैग एक बार रिचार्ज होकर पूरे 90 दिन के लिए किसी भी टाइम जोन में -40 से +80 डिग्री तक के वातावरण में निरंतर तापमान दर्ज करती है।
- डिवाइस को **प्रौद्योगिकी नवाचार हब – AWaDH (कृषि एवं जल तकनीकी विकास हब) और उसके स्टार्टअप स्क्रैचनेस्ट** के तहत विकसित किया गया है।
- AWaDH भारत सरकार की एक परियोजना है।
- यह डिवाइस ISO 13485:2016, EN 12830:2018, CE और ROHS से प्रमाणित है।

नोट: ऐसी डिवाइसों को भारत में सिंगापुर, हॉन्गकॉन्ग, आयरलैंड और चीन जैसे दूसरे देशों से बड़ी मात्रा में आयात किया जा रहा है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

DG NCC मोबाइल ट्रेनिंग ऐप 2.0

चर्चा में क्यों?

- रक्षा सचिव डॉ अजय कुमार ने **महानिदेशालय (DG) राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC)** मोबाइल प्रशिक्षण एप वर्जन 2.0 की शुरुआत की।

प्रमुख बिंदु

DG NCC मोबाइल ट्रेनिंग ऐप 2.0 के बारे में:

- यह एप COVID-19 महामारी की स्थिति के दौरान NCC कैडेटों को देशव्यापी ऑनलाइन प्रशिक्षण आयोजित करने में सहायता करेगा।
- इसका उद्देश्य NCC से संबंधित बुनियादी जानकारी और संपूर्ण प्रशिक्षण सामग्री को एक मंच पर उपलब्ध कराना है।

नोट: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 2020 में प्रशिक्षण के लिए **DG NCC मोबाइल एप वर्जन 1.0** को ऑनलाइन कैडेट प्रशिक्षण में सहायता के लिए शुरू किया था।

क्रिकेट के दिग्गज रवि शास्त्री की किताब 'स्टारगेजिंग: द प्लेयर्स इन माई लाइफ'

चर्चा में क्यों?

- क्रिकेट के दिग्गज, कमेंटेटर और टीम इंडिया के सबसे सफल कोचों में से एक, रवि शास्त्री ने **'स्टारगेजिंग: द प्लेयर्स इन माई लाइफ'** नामक एक किताब लिखी है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

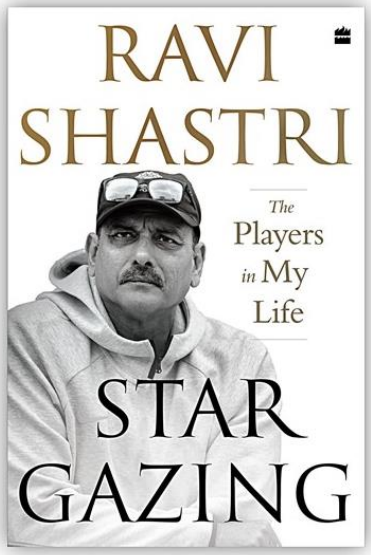

प्रमुख बिंदु

पुस्तक के बारे में:'स्टारगेजिंग: द प्लेयर्स इन माई लाइफ' रवि शास्त्री और खेल पत्रकार अयाज मेमन द्वारा सह-लिखित है और इसके 2021 में जारी होने की उम्मीद है।

- पुस्तक में, शास्त्री दुनिया भर से मिले लगभग 60 असाधारण प्रतिभाओं के बारे में लिखते हैं जिन्होंने उन्हें प्रेरित किया है।
- इसे हार्पर कॉलिन्स इंडिया द्वारा प्रकाशित किया जाएगा।

gradeup

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams

Gradeup State PCS
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now